सिंगापुर ने जल जीवन मिशन में सहयोग की इच्छा जताई

जल शक्ति मंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सिंगापुर से आए प्रतिनिधिमंडल ने यूपी में जल जीवन मिशन और नमामि गंगे योजना में तकनीकी साझेदार के रूप में सहयोग देने की इच्छा जताई। इस प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात की। बैठक में अयोध्या प्रोजेक्ट के तहत किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा हुई।

किसान बाजार स्थित राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन मुख्यालय में आयोजित बैठक में जल शक्ति मंत्री ने सिंगापुर से आए प्रतिनिधिमंडल को बताया कि इस मिशन के तहत यूपी में एक करोड़ से अधिक परिवारों को नल से जल पहुंचाया गया है। सरकार का लक्ष्य 2024 तक 2 करोड़ 65 लाख ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा प्रदान करना है। योजना के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव और अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव ने कहा कि ग्रीन ग्रोथ के जिस संकल्प के साथ आज भारत और सिंगापुर आगे बढ़ रहे हैं उसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अयोध्या में उनका दल पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। यह पहले एक गांव तक सीमित था और अब यह पूरे अयोध्या में जल आपूर्ति में स्वच्छता पर काम होगा। सिंगापुर से आए प्रतिनिधिमंडल में ईएमडी के प्रमुख और निदेशक डॉ. फ्रांसिस चोंग, एसआईपीओ के प्रमुख और निदेशक काह मेई चान, एंटरप्राइज सिंगापुर के निदेशक ऑड्रे टैन, एसआईपीओ विशेष परियोजनाएं हिमांशु शंभू दयाल, सहायक निदेशक मुनया तहर आदि मौजूद थे।

आपसी क्षेत्रों की पहचान के लिए जेपीसी पर भी चर्चा

सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के साथ भी बैठक कर कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं जेपीसी को लेकर तय हुआ कि इसकी अध्यक्षता प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री और सिंगापुर के व्यापार संबंधों के प्रभारी मंत्री करेंगे। जेपीसी का मुख्य काम शहरी विकास, उद्योग विकास, एमएसएमई उन्नयन और कौशल विकास के क्षेत्रों में साझेदारी की संभावना का पता लगाना होगा।